

गुलाल गोटा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राजस्थान के जयपुर में लगभग 400 साल पुरानी एक अनोखी परंपरा गुलाल गोटा मनाई गई।

मुख्य बदि:

- गुलाल गोटा लाख से बनी एक छोटी गेंद होती है, जिसमें सूखा गुलाल भरा जाता है जिसके बाद इसका वजन लगभग 20 ग्राम होता है।
- गुलाल गोटा के लिये प्राथमिक कच्चा माल लाख, छत्तीसगढ़ और झारखंड से प्राप्त किया जाता है।
 - गुलाल गोटा बनाने की प्रक्रिया में लाख को पानी में उबालकर उसे लचीला बनाना, आकार देना, रंग मलाना, गर्म करना और फरि "फूँकनी" नामक ब्लोअर की मदद से इसे गोलाकार आकार में तैयार करना शामिल है।
- गुलाल गोटा जयपुर में मुस्लिम लाख नरिमाताओं द्वारा तैयार किया जाता है, जिन्हें **मनहारों के नाम से जाना** जाता है, जिन्होंने जयपुर के पास एक शहर बगरू में हदू लाख नरिमाताओं से लाख बनाना सीखा था।
- भारत सरकार द्वारा लाख की चूड़ी और गुलाल गोटा नरिमाताओं को **"कारीगर कार्ड"** प्रदान किये गए हैं, जिससे वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं।
- परंपरा को बचाने के लिए, कुछ गुलाल गोटा नरिमाताओं ने **भौगोलिक संकेत (GI)** टैग की मांग की है।

लाख

- यह एक रालयुक्त पदार्थ है जो **कुछ कीड़ों द्वारा सरावति** होता है। **मादा सकेल कीट** लाख के स्रोतों में से एक है।
- **1 कलोग्राम लाख राल का उत्पादन करने के लिए, लगभग 300,000 कीड़े मारे जाते हैं**। लाख के कीड़े राल, लाख डार्क और लाख मोम भी पैदा करते हैं।
- इसका उपयोग **लाख की चूड़ियों** के उत्पादन सहित विभिन्न अनुप्रयोगों में किया जाता है।

भौगोलिक संकेत (GI) टैग

- GI टैग एक ऐसा नाम या चहिन है जिसका उपयोग कुछ उत्पादों पर किया जाता है जो किसी विशिष्ट भौगोलिक स्थान या मूल से मेल खाते हैं।
- GI टैग यह सुनिश्चित करता है कि केवल अधिकृत उपयोगकर्ताओं या भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले लोगों को ही लोकप्रिय उत्पाद नाम का उपयोग करने की अनुमति है।
- यह उत्पाद को दूसरों द्वारा कॉपी या नकल किये जाने से भी बचाता है।
- एक पंजीकृत GI, 10 वर्षों के लिए वैध है।
- GI पंजीकरण की देखरेख वाणज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा की जाती है।